33 कार्यालयों के औचक निरीक्षण में 258 कार्मिक अनुपस्थित मिले

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल के निर्देशानुसार सोमवार को जिला मुख्यालय के 33 कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान 610 में से 258 कार्मिक अनुपस्थित मिले।

जिला कलेक्टर ने बताया कि प्रत्येक सरकारी कार्मिक समय पर कार्यालय पहुंचे तथा आमजन के अधिक से अधिक कार्यों का सम्पादन करें। इसके मद्देनजर राजस्थान प्रशासनिक सेवा के दस अधिकारियों ने इन कार्यालयों का प्रात: 9.30 बजे से औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीएमएचओ के 123 में से 62 तथा नगर निगम के 184 में से 60 कार्मिक अनुपस्थित पाये गए। इसी प्रकार पंचायत समिति के 27, कृषि विस्तार कार्यालय के 24 तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के 14 कार्मिक अनुपस्थित मिले। इस दौरान उद्यान विभाग के सहायक निदेशक कार्यालय तथा सीएमएचओ कार्यालय की एनयूएचएम, पीसीपीएनडीटी, एनसीडी, एनटीसीपी और फ्लोरोसिस प्रोग्राम शाखा बंद पाई गई।

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) ने नगर निगम, अतिरिक्त कलेक्टर (नगर) ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, अतिरिक्त आयुक्त उपनिवेशन ने पीडब्लयूडी, सहायक आयुक्त उपनिवेशन ने कृषि और उद्यानिकी, एमजीएसयू के कुलसचिव ने देवस्थान और पर्यटन, रीपा के अतिरिक्त निदेशक ने पंचायत समिति परिसर के समस्त कार्यालयों, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने चौपड़ा कटला स्थित समस्त कार्यालयों, महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक ने सहकारिता विभाग, एसकेआएयू के कुलसचिव ने बीमा एवं प्रावधायी निधि के कार्यालयों तथा सहायक निदेशक लोक सेवाएं ने पीडब्लयूडी के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर और नगर विकास न्यास अध्यक्ष भगवती प्रसाद कलाल ने यूआईटी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 39 कार्मिक अनुपस्थित मिले। जिला कलेक्टर ने न्यास की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फाइलें व्यवस्थित रखने, साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। सभी स्थानों पर निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिकाएं जब्त कर ली गई। जिला कलेक्टर ने बताया कि अनुपस्थित पाये गए कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने सोमवार को यूआईटी का औचक निरीक्षण किया।

- कलेक्टर पहुंचे यूआईटी, 39 कार्मिक अनुपस्थित मिले
- एक कार्यालय और पांच शाखाएं बंद मिली

कृषि बजट कार्यशाला आज : कृषि बजट की जानकारी देने के उद्देश्य से बीकानेर, लूणकरणसर, श्रीडूंगरगढ़ में मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय कृषि बजट आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित होगी। कृषि विभाग के उपनिदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि इसी क्रम में नोखा, पांचू व कोलायत में 29 जून को तथा खाजूवाला, पूगल व बज्जू में 30 जून को कृषि बजट आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजित की जायेगी। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पंचायत समिति प्रधान की अध्यक्षता में किया जाना है। ब्लॉक के सभी सरपंच, पंचायत समिति सदस्य व प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। कार्यशाला में राज्य स्तरीय कृषि बजट के बारे में व्यापक चर्चा की जायेगी। किसानों को कृषि व उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। बजट घोषणाओं की प्रभावी क्रियान्वित व व्यापक प्रचार प्रसार के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यशाला 20 जून को आयोजित की गई थी।

परिवार कल्याण पखवाड़ा शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। योग्य दम्पत्तियों से संपर्क कर सीमित परिवार और स्थाई व अस्थाई परिवार कल्याण साधनों की जानकारी देने के लिए जिलेभर में सोमवार से मोबिलाइजेशन पखवाड़ा शुरु हुआ।

आगामी 10 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के दौरान जिलें के गांव-ढाणियों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं अपने क्षेत्र में जन-जागृति पैदा करेंगी। सीएमएचओ डॉ. गिरधारी लाल मेहरड़ा ने बताया कि इसके बाद जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 11 जुलाई से प्रारंभ होकर 24 जुलाई तक चलेगा। जिस दौरान जिला स्तर सहित ब्लॉक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाए जायेंगे।

एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस इतिहास के उस महत्वपूर्ण क्षण में आता है जिससे जनसंख्या स्थिरीकरण के सपने को साकार करने के लिए प्रत्येक योग्य लाभार्थी तक परिवार कल्याण कार्यक्रम को पहुंचाना है। इसी कड़ी में इस अभियान का आयोजन किया जा रहा है जो दो चरणों में चलेगा। पहला चरण 27 जून से 10 जुलाई और दूसरा चरण 11 से 24 जुलाई तक चलेगा। इस बार अभियान की थीम 'परिवार नियोजन का अपनाओ उपाय, लिखो तरक्की का नया अध्याय' रखी गई है। सीओआईईसी विनोद बिश्नोई ने बताया कि परिवार कल्याण अभियान के पहले चरण में स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर दस्तक देंगे।

सार-समाचार

शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के शिष्टमण्डल ने सोमवार को शिक्षकों की तात्कालिक समस्याओं के निस्तारण की मॉग को संगठन के प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री रवि आचार्य के नेतृत्व में शिक्षामंत्री डॉ बी डी कल्ला से बीकानेर में मिलकर ज्ञापन दिया। संगठन के जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने बताया कि शिक्षामंत्री को दिये ज्ञापन में नये नियमों के परिप्रेक्ष्य में अनुभव की शर्त बाध्यता हटने को देखते हुए 6 (3) को स्वेच्छिक करने तथा माध्यमिक शिक्षा में नवनियुक्ति से पदो को भरने,महात्मा गांधी विद्यालयों में अधिशेष शिक्षकों का समायोजन स्थानान्तरण से पूर्व करवाने, हिन्दी माध्यम से अग्रेंजी माध्यम में रूपान्तरित विद्यालयों में विद्यार्थी हित में हिन्दी माध्यम भी चलाने,समस्त तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानान्तरण करने तथा नीति नियमों के अन्तर्गत स्थानान्तरण करवाने, राष्ट्र भाषा हिन्दी माध्यम के विद्यालयों को सम्बन्धित परिक्षेत्र की मॉग के अनुसार ही परिवर्तित करने अथवा नये स्थानो पर ससांधनो के साथ अग्रेंजी माध्यम के विद्यालयों की समय की मॉग अनुसार खोलने, नवक्रमोन्नत विद्यालयों में स्टाफ लगाने,प्रारम्भिक शिक्षा में स्टाफिंग पैटर्न से पदों के पुर्ननिर्धारण से अधिशेष शिक्षकों की कार्यमुक्ति/कार्यग्रहण के आदेशों पर पुर्नविचार करवाने, प्रशिक्षण शिविर आफलाइन के स्थान पर आनलाइन शिविर आयोंजित करने आदि विषयों से अवगत करवाया गया। शिष्टमण्डल में प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री के साथ जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य, प्रदेश संयुक्त मंत्री सुरेश व्यास, महेश कुमार, त्रिपुरारी चतुर्वेदी सम्मिलित थे।

कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन

श्रीगंगानगर, (कासं)। कृषि तकनीकी संदर्भ ज्ञान केन्द्र (आत्मा) श्रीगंगानगर के सभागार में सोमवार को कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। कृषक पुरस्कार समारोह में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के ब्लॉक एवं जिला स्तरीय चयनित प्रगतिशील कृषकों को प्रमाण-पत्रा देकर पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने जैविक खेती, उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन एवं नवाचार गतिविधियों को अपनाकर उत्कृष्ट कार्य किया है। कृषक वैज्ञानिक संवाद के अन्तर्गत डॉ. विनोद सिंह गौतम, उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) द्वारा कृषि के क्षेत्रा में किए जा रहे नवाचार व आधुनिक खेती के बारे में जानकारी दी। कृषि विभाग की विभिन्न कृषक हित के लाभकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कृषकों से इसे अपनाकर कृषि उत्पादन में वृद्धि करने व आय बढ़ाने की सलाह दी। सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी सी.आई.पी.एम.सी. लोकेश कुमार मीणा द्वारा ट्राइकोग्रामा से उखेड़ा रोग प्रबन्धन के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा रिया चावला तकनीकी सहायक अधिकारी सी.आई.पी.एम.सी. श्रीगंगानगर द्वारा ट्राइकोग्रामा से सुण्डी नियंत्राण के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. राजकुमार बेरवाल प्रभारी राजुवास सूरतगढ़ ने पशुओं से अधिक दुग्ध उत्पादन एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार, अजोला उत्पादन एवं बांझपन निवारण के बारे में विस्तारपूर्वक कृषकों को बताया। डॉ. पी.एल. नेहरा सेवानिवृत प्रोफेसर कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर ने वर्तमान प्ररिपेक्ष में जल बचत के लिए बूंद-बूंद फव्वारा सिंचाई पद्धति का कृषि एवं बागवानी फसलों में महत्व एवं संचालन के तरीके बताये।

डिजिटल कंटेन्ट ज्ञान एप पर कार्यशाला

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला कलक्टर श्रीमती रूक्मणि रियार सिहाग के निर्देशानुसार जिले के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में मिशन ज्ञान एप के अन्तर्गत ई-कक्षा का शिक्षण कार्य में अधिकतम उपयोग हेतु नोजगे स्कूल के ऑडिटॉरियम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया कार्यशाला में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, एमजीजीएस के संस्था प्रधान, अध्यापकों एवं सामाजिक न्याय विभाग के छात्राधीक्षकों को इस डिजिटल प्लेटफार्म की जानकारी हेतु जयपुर से प्रभारी जितेन्द्र सोनी ने विस्तृत जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने इस अवसर पर पहुंच कर समस्त सम्भागियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म की उपयोगिता तथा प्रत्येक शिक्षक के मोबाइल में मिशन ज्ञान एप का होना आज की परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक बताया तथा नवीन सत्रा में प्रत्येक विद्यालय में डिजिटल क्लास रूम की स्थापना हेतु जिला प्रशासन की ओर से प्रयास किये जायेंगे। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री हंसराज यादव एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक अरविन्द्र सिंह ने भी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। प्रभारी सोनी ने ई-कक्षा के अन्तर्गत कक्षा 1 से 12 का ई कन्टेन्ट, सीडब्लूयूएसएन व नीट तथा उड़ान कन्टेन्ट के बारे में जानकारी दी गई।

अंग्रेजों ने संस्कृत साहित्य पर किये लगातार प्रहार : प्रो. पांडे

बीकानेर, (कासं)। अंग्रेज भली-भांति जानते थे कि अगर भारत में शासन करना है तो संस्कृत भाषा और उसके साहित्य को नष्ट करना होगा। लॉर्ड मैकाले ने इस काम को आगे बढ़ाने के लिए अंग्रेजी को भारत की सरकारी भाषा तथा शिक्षा का माध्यम बनाया और संस्कृत की पारंपरिक शिक्षा को अवैध घोषित किया। प्रतिक्रिया में अंग्रेजों के विरुद्ध विशाल आंदोलन खड़ा हुआ जिसका परिणाम यह हुआ कि कोलकाता हिन्दू कॉलेज और संस्कृत कॉलेज के छात्रों ने मिलकर अंग्रेज अधिकारियों पर आक्रमण बोल दिया।

एमजीएसयू में इतिहास विभाग की राष्ट्रीय कार्यशाला को कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने संबोधित किया।

सोलह वर्षीय संस्कृत छात्र कैलाश चंद्र दत्त को जिसके मृत्यु पूर्व लिखे पत्र में संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए युवाओं का आव्हान किया गया था। एमजीएसयू के इतिहास विभाग एवं संग्रहालय व प्रलेखन केन्द्र द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में उपरोक्त विचार मुख्य वक्ता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडे द्वारा व्यक्त किये गए। उन्होंने संस्कृत में लिखित आज़ादी की लड़ाई के अज्ञात इतिहास : संग्रहालयों की जुबानी विषय पर अपनी बात रखी।

कार्यशाला का आरंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आयोजन सचिव इतिहास विभाग की डॉ मेघना शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यशाला की भूमिका पर प्रकाश डाला व बताया कि संस्कृत के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य व प्रेस पर भी प्रतिबंध लगाए गए। यहां तक की पत्रकारों को अपना अखबार प्रकाशित करने से पहले अंग्रेजों को दिखाए जाने के फरमान जारी हुए। कईयों को प्रतिबंधित भी किया गया। डॉ शर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय भी मंच से पढ़ा।

विश्वविद्यालय के संग्रहालय व प्रलेखन केन्द्र की निदेशक डॉ. मेघना ने बताया कि अतिथियों ने आयोजन पूर्व चित्र कलाकृति का विमोचन किया जिसे चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला में बनाकर तैयार किया गया था।

आधुनिक खेती के बारे में जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। कृषि तकनीकी संदर्भ ज्ञान केन्द्र (आत्मा) श्रीगंगानगर के सभागार में सोमवार को कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया।

कृषक पुरस्कार समारोह में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के ब्लॉक एवं जिला स्तरीय चयनित प्रगतिशील कृषकों को प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने जैविक खेती, उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन एवं नवाचार गतिविधियों को अपनाकर उत्कृष्ट कार्य किया है। कृषक वैज्ञानिक संवाद के अन्तर्गत डॉ. विनोद सिंह गौतम, उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) द्वारा कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार व आधुनिक खेती के बारे में जानकारी दी। कृषि विभाग की विभिन्न कृषक हित के लाभकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कृषकों से इसे अपनाकर कृषि उत्पादन में वृद्धि करने व आय बढ़ाने की सलाह दी। सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी सी.आई.पी.एम.सी. लोकेश कुमार मीणा द्वारा ट्राइकोग्रामा से उखेड़ा रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से चर्चा की।

विद्यालयों में कमरे मय बरामदा सहित निर्माण कार्यों का शिलान्यास

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगानगर विधायक राजकुमार गौड़ ने कहा कि शिक्षा से ही परिवार, समाज व राष्ट्र का उत्थान होता है। उन्होंने अभिभावकों से आव्हान किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य दिलवाएं, जिससे वे राष्ट्र के अच्छे नागरिक बन सकें।

गौड़ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय न 7 वार्ड 12 में प्रथम मंजिल पर निर्माण कार्य व शहीद सुभाष राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय नम्बर 9 पुरानी आबादी में दो कमरे मय बरामदा सहित निर्माण कार्यों का शिलान्यास के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिये धन की कोई कमी नहीं है। इन दोनों विद्यालयों के निर्माण व विकास के लिये राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय न 7 में 4 लाख रूपये तथा शहीद सुभाष राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय नम्बर 9 में निर्माण के लिये विधायक कोटे से 9 लाख रूपये की राशि व्यय की जायेगी।

गौड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्रा में गुणात्मक सुधार किये है। प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर भी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय प्रारम्भ किये गये है, जहां पर हमारी बेटियां भी अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि ये अंग्रेजी माध्यम विद्यालय धीरे-धीरे गांवों तक भी पहुंच रहें है। गौड़ ने कहा कि हमारी बेटियां शिक्षा में अग्रणी बने, इसको लेकर सरकार ने बहुत सारी योजनाएं प्रारम्भ कर रखी है, जिनका लाभ मिल रहा है। अच्छे अंक प्राप्त करने वाली बच्चियों को साईकिल स्कूटी तथा स्कॉलरशिप दी जा रही है। आप भी आगामी सत्र में अच्छे अंक प्राप्त करें, जिससे उन्हें भी स्कूटी व साईकिल का लाभ मिलेगा। गौड़ ने कहा कि गंगानगर विधानसभा में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं है। मेडिकल कॉलेज से लेकर सड़क विकास, पेयजल, शिक्षा के क्षेत्रा में उल्लेखनीय कार्य हुए है।

- प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले

संख्या ज्ञान पर आधारित प्रशिक्षण शिविर

बीकानेर, (कासं)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि बच्चों में शिक्षा की बुनियादी समझ उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार है। खाजूवाला में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर आधारित प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर मेघवाल ने यह बात कही।

मेघवाल ने कहा कि बच्चों के मन पर अपने शिक्षकों को गहरा प्रभाव होता है ऐसे में शिक्षकों को बच्चों को इस प्रकार शिक्षित करना चाहिए जिससे उनमें बुनियादी समझ बन सके। मंत्री ने कहा कि 3 से 9 वर्ष तक के बालकों का मन बहुत कोमल होता है ऐसे में शिक्षक पूरे मनोयोग से बच्चों को पढ़ाएं ताकि वे पढ़ने के साथ-साथ तार्किक क्षमता का भी विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि बालकों के भविष्य का मजबूत आधार शिक्षकों के हाथ में है। अत: सभी शिक्षकों को पूरी लगन और मन से बच्चों पर ध्यान देना चाहिए। इस छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 211 शिक्षकों को 3 से 9 वर्ष तक के छोटे बच्चों को बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश प्रजापत ने मंत्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया और शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक

श्रीगंगानगर, (कासं)। कलेक्टर रूक्मणि रियार सिहाग ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पेयजल व विद्युत विभाग को सतर्क रहकर कार्य करना होगा, जिससे आमजन को स्वच्छ पेयजल व विद्युत की आपूर्ति होने के साथ-साथ मौसमी बीमारियों से आमजन का बचाव किया जा सके।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाहॉल में मौसमी बीमारियों से संबंधित बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में मौसमी बीमारियों, समय पर पेयजल आपूर्ति तथा विद्युत की नियमित आपूर्ति के साथ-साथ निर्माण व विकास कार्यों के लम्बित कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बुलाकी शर्मा की व्यंग्य रचनाओं में गहरी मानवीय संवेदना : वर्मा

बीकानेर, (कासं)। वरिष्ठ व्यंग्यकार बुलाकी शर्मा सामाजिक सरोकार के लेखक हैं। उनकी व्यंग्य रचनाओं में गहरी मानवीय संवेदना है। तीक्ष्ण प्रहार की जगह वे करूणा से ओतप्रोत सृजन करते हैं। इसलिए उनकी रचनाएं पाठकों की स्मृति में लम्बे समय तक बनी रहती हैं।

लखनऊ के प्रखर आलोचक - व्यंग्यकार राजेन्द्र वर्मा ने व्यंग्यधारा की ओर से व्यंग्यकार बुलाकी शर्मा पर केंद्रित ऑनलाइन संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में ये विचार व्यक्त किये ।इस संगोष्ठी में बुलाकी शर्मा ने मृत्यु पर मनन, पिता की फ्रेंड रिक्वेस्ट और कहने वालों का काम है कहना व्यंग्य रचनाओं का प्रभावी वाचन किया।

संस्था प्रभारी जबलपुर से वरिष्ठ व्यंग्यकार रमेश सैनी ने आरंभ में बताया कि व्यंग्यधारा ने एकल व्यंग्य रचना पाठ श्रंखला के अंतर्गत साहित्य अकादेमी से पुरस्कृत बुलाकी शर्मा पर केंद्रित कार्यक्रम रखा है। वे हिन्दी और राजस्थानी दोनों भाषाओं में चार दशकों से सृजन कर रहे हैं। वे पाठकों के प्रिय लेखक हैं। दिल्ली से प्रसिद्ध आलोचक डॉ रमेश तिवारी ने कहा कि बुलाकी शर्मा के सृजन के माध्यम से हम उनके स्वभाव से परिचित हो सकते है। वे अपने स्वभाव के अनुरूप ईमानदारी से सृजन कर रहे है। उदयपुर की रेणु देवपुरा ने शर्मा की सुदीर्घ साहित्य साधना की सराहना की और कहा कि वे निरन्तर सृजनरत हैं।

आलोचक डॉ. नीरज दइया ने कहा कि आधुनिक समय के अनेकानेक बदलावों, विडम्बनाओं और त्रासदियों को कथात्मक शैली में प्रभावी तरह से अभिव्यक्त करना बुलाकी की विशेषता है। मुम्बई से अलका अग्रवाल सिगतिया ने कहा कि बुलाकी शर्मा मानवीय प्रवृति पर व्यंग्य करने में सिद्धहस्त हैं।

पूगल में कॉलेज शुरू होने से उच्च शिक्षा को मिलेंगे नए आयाम : मेघवाल

बीकानेर, (कासं)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने सोमवार को पूगल में नव स्वीकृत राजकीय महाविद्यालय का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूगल में महाविद्यालय शुरू होने से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए आयाम स्थापित होंगे तथा विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इस वर्ष के बजट भाषण में महाविद्यालय की घोषणा की, जिसकी पालना में यहां महाविद्यालय प्रारंभ हो चुका है।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है तथा राज्य सरकार द्वारा इसके लिए 4.50 करोड रुपए भी स्वीकृत कर दिए गए हैं। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जायेगा।

आपदा प्रबंधन मंत्री ने अस्थाई भवन के रखरखाव और फर्नीचर आदि के लिए विधायक निधि से दस लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पहले सत्र में यहां कला वर्ग की कक्षाएं प्रारंभ होंगी तथा चरणबद्ध तरीके से नए संकाय खुलावाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के भरपूर अवसर दें तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भागीदारी के लिए प्रेरित करें। मेघवाल ने कहा कि खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

नहरी तंत्र सुदृढ़ीकरण के साथ जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल युक्त कनेक्शन का कार्य प्रगति पर है।

पूगल में आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने फीता काटकर महाविद्यालय का शुभारंभ किया।

- आपदा प्रबंधन मंत्री ने पूगल में महाविद्यालय का शुभारम्भ किया

उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बैठे लोग राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें, जिससे राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जरूरतमंद लोगों का जीवन स्तर सुधारा जा सके।

इस दौरान पूगल उपखंड अधिकारी सीता शर्मा, तहसीलदार रामेश्वर लाल, डूंगर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी. पी सिंह, प्रभारी अधिकारी सतीश गुप्ता, डॉ गोविन्द सिंह, डॉ सुरेंद्र पाल, डॉ देवाराम जयपाल, डॉ अनु कुमार शर्मा, यूनुस खान, मुरलीधर मोदी, त्रिलोक भींचर, हबीब खान, वायस खान, हाकम खां, मनीष भार्गव, मुनीर खां, रूपाराम, रामनिवास, मदन भुट्टा सूर्यप्रकाश, कयामुद्दीन सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कल्ला ने डीआरएम से रेल बाईपास की संभावनाओं पर की चर्चा

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक राजीव श्रीवास्तव के साथ रेल बाईपास की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान सेवानिवृत रेल अधिकारी किशन लाल मेघवाल भी मौजूद थे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि रेलवे फाटकों से जुड़ी समस्या का सर्वश्रेष्ठ समाधान रेल बाईपास ही है। रेलवे द्वारा इस दिशा में पहल करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्व में राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1998 से 2003 के बीच रेल बाईपास के लिए 61.62 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन 2003 के बाद इसे ड्रॉप कर दिया गया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि रेलवे द्वारा बाईपास निर्माण किए जाने की स्वीकृति दिए जाने पर भूमि राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी। वहीं बाईपास निर्माण पर होने वाली राशि में भी राज्य सरकार की पूर्व की भांति भागीदारी रहेगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही रेलवे के जनरल मैनेजर से मुलाकात करते हुए इस संबंध में बात की जाएगी। साथ ही केन्द्रीय राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद अर्जुनराम मेघवाल के साथ केन्द्रीय रेल मंत्री के समक्ष भी यह बात रखने के प्रयास होंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में डॉ. कल्ला ने स्थानीय सांसद मेघवाल के साथ इस मुद्दे पर केन्द्रीय रेल मंत्री के साथ बैठक की थी।

बीकानेर में शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने डीआरएम राजीव श्रीवास्तव से रेल बाईपास की संभावनाओं पर चर्चा की।